ISSN - 2348-2397
UGC CARE LISTED JOURNAL
YIS
शोध सरिता
January-March, 2021
Vol. 8, Issue 29
Page Nos. 116-120
AN INTERNATIONAL BILINGUAL PEER REVIEWED REFEREED RESEARCH JOURNAL

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना, लिंग, क्षेत्र एवं उनकी अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

डॉ0 श्रीमती रीमा देवांगन*
श्रीमती सीमा द्विवेदी**
डॉ0 अर्निबन चौधरी***

शोध सारांश

प्रस्तुत अध्ययन छत्तीसगढ़ के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्म संकल्पना का उनके समस्या समाधान योग्यता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना। इस अध्ययन हेतु दुर्ग जिले के 800 विद्यार्थियों को स्तरीकृत यादृच्छिक विधि द्वारा लिया गया है। विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना की मापन हेतु आर. के. सारस्वत द्वारा निर्मित आत्म संकल्पना मापनी का उपयोग किया गया तथा समस्या समाधान योग्यता के मापन हेतु एल. एन. दुबे द्वारा निर्मित समस्या समाधान योग्यता मापनी का उपयोग किया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु प्रसरण विश्लेषण की गणना की गयी। अध्ययन के निष्कर्ष यह बताते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर के आत्म संकल्पना का उनके समस्या समाधान योग्यता पर सार्थक प्रभाव पाया गया।

Keywords : आत्म संकल्पना, स्व प्रत्यक्षीकरण, सृजनात्मक, समस्या समाधान

प्रस्तावना

उच्च माध्यमिक स्तर की शिक्षा संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था की आधारशिला है। अतः उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना का उनकी समस्या समाधान योग्यता पर पड़ने वाले प्रभाव की खोज करना अत्यंत महत्वपूर्ण है यह कहना सुसंगत होगा कि उम्र के इस पड़ाव पर आत्म संकल्पना का विकसित होना सफल जीवन को सुनिश्चित कर सकते हैं सृजनात्मक विद्यार्थियों में वह योग्यता होती है जो उन्हें विश्व को नए स्वरूप में देखने समझने में सहायता करती है ऐसे विद्यार्थी जिनमें बेहतर आत्म संकल्पना होती है वह अपनी व्यावहारिक गुण और बौद्धिक गुण में अधिक प्रगतिशील हो सकते हैं। साथ ही साथ उनके नैतिक गुणों में भी वृद्धि हो सकती है।

आत्म संकल्पना शब्द का उपयोग हम स्वयं के मूल्यांकन के लिए करते हैं । हम कैसे सोचते हैं या खुद को कितना महत्व देते हैं, यह सब आत्म संकल्पना के अंतर्गत आता है स्वयं के विषय में जागरू क होना भी अवधारणा का एक हिस्सा है आत्म संकल्पना में हमारा व्यक्तिगत ज्ञान भी शामिल है जो हमें यह बताता है कि हम कैसे व्यवहार करते हैं आत्म संकल्पना हमारी व्यक्तिगत विशेषताओं का भी उल्लेख करती है आत्म संकल्पना व्यक्ति द्वारा बनाई गई वह छवि है जो वह स्वयं के विषय में बनाता है। आत्म संकल्पना सामान्यता हमारे व्यवहारों और योग्यताओं का स्व प्रत्यक्षीकरण होती है व्यक्ति की बढ़ती आयु और ज्ञान के आधार पर हम अपनी आत्म संकल्पना का निर्माण और विनियमन करते हैं ।

विद्यार्थियों को शिक्षण काल में अनेक समस्याओं या कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जिनका समाधान उसे स्वयं करना पड़ता है समस्या समाधान उस समय प्रकट होता है ,जब उद्देश्य की प्राप्ति में किसी प्रकार की बाधा पड़ती है। यदि लक्ष्य तक पहुंचने का मार्ग सीधा और आसान हो तो समस्या आती ही नहीं है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि समस्या समाधान एक ऐसी रूपरेखा है जिसमें सृजनात्मक चिंतन तथा तर्क शक्ति दोनों होते हैं।

उद्देश्य

1. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना, लिंग, क्षेत्र एवं उनकी अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पना

1. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना का समस्या समाधान योग्यता पर पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की लिंग का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

*सहायक प्राध्यापक – सेंट थामस कॉलेज, भिलाई
**सहायक प्राध्यापक – श्री शंकराचार्य महाविद्यालय, जुनवानी
***सहायक प्राध्यापक – कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई

3. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की क्षेत्र का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।
4. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना, लिंग, एवं उनकी अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।
5. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना, क्षेत्र एवं उनकी अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।
6. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की लिंग, क्षेत्र एवं उनकी अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।
7. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना, लिंग, क्षेत्र एवं उनकी अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

8. अध्ययन की परिसीमा

1. अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले का चयन किया गया है
2. प्रस्तुत अध्ययन में शासकीय शालाओं को सम्मिलित किया गया है।
3. अध्ययन हेतु शासकीय विद्यालय के नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों को ही लिया गया है।

शोध विधि

न्यादर्श

न्यादर्श हेतु दुर्ग जिले के तीन विकासखंडवार दुर्ग, पाटन, धमधा के 800 विद्यार्थियों का चुनाव यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया।

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु विद्यार्थियों की मापनीकरण की मापन हेतु श्री आर.के सारस्वत द्वारा आत्म संकल्पना मापनी का उपयोग किया गया। तथा समस्या समाधान योग्यता के मापन हेतु श्री एल .एन .दुबे द्वारा निर्मित समस्या समाधान योग्यता मापनी का उपयोग किया गया।

प्रदत्तो का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं व्याख्या

संकलित प्रदत्तो का सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु 2×2×2 प्रसरण विश्लेषण की गणना की गई है।

H1 उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना का समस्या समाधान योग्यता पर कोई प्रभाव नहीं पाया जाता है।

तालिका क्रमांक 5.2.1 (a)

विद्यार्थियों के आत्म संकल्पना, लिंग, क्षेत्र के लिए 2×2×2 प्रसरण विश्लेषण का सारांश

स्रोत	वर्गों का योग	df	वर्ग का औसत	F
आत्म संकल्पना	5.205	1	5.205	22.776**
लिंग	.178	1	.178	.778
क्षेत्र	6.255	1	6.255	27.370**
आत्म संकल्पना ×लिंग	.174	1	.174	.761
आत्म संकल्पना × क्षेत्र	2.406	1	2.406	10.527**
लिंग× क्षेत्र	.012	1	.012	.054
आत्मा संकल्पना×लिंग× क्षेत्र	.105	1	.105	.458
त्रुटि	180.991	792	.229	
योग	1937.00	800		
संशोधित योग	199.449	799		

****0.01 स्तर पर सार्थकता**

तालिका क्रमांक 1 के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि आत्म संकल्पना के लिए F का मान 22.776, df/1 792 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक है अर्थात उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना का समस्या समाधान योग्यता पर सार्थक प्रभाव पाया गया अतः शून्य परिकल्पना "उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाएगा" को अस्वीकृत किया जाता है। अर्थात उच्च आत्म संकल्पना एवं निम्नतम आत्म संकल्पना

वाले विद्यार्थियों के समस्या समाधान योग्यता की मध्यमान अंक में अंतर पाया जाएगा एवं यह ज्ञात करने के लिए उच्च आत्म संकल्पना एवं निम्न आत्म संकल्पना वाले विद्यार्थियों की समस्या समाधान योग्यता के मध्यमान को निम्न तालिका 1 (a) में प्रस्तुत किया गया है –

तालिका क्रमांक 1 (a)

उच्च एवं निम्न आत्म संकल्पना वाले विद्यार्थियों के समस्या समाधान योग्यता का मध्यमान

क्रमांक	आत्म संकल्पना	मध्यमान	N
1.	निम्न आत्म संकल्पना	12.64	444
2.	उच्च आत्म संकल्पना	14.32	356

तालिका क्रमांक 1 (a) से स्पष्ट होता है कि उच्च आत्म संकल्पना वाले विद्यार्थियों की समस्या समाधान योग्यता का मध्यमान 14.32 तथा निम्न आत्म संकल्पना वाले विद्यार्थियों के समस्या समाधान योग्यता का मध्यमान 12.64 पाया गया है अर्थात उच्च एवं निम्न आत्म संकल्पना वाले विद्यार्थियों के समस्या समाधान योग्यता में सार्थक अंतर पाया जाता है।

H2 उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की लिंग का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

तालिका क्रमांक 1 के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है लिंग के लिए F का मान 0.778 df 1/792 है जो किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है। अर्थात विद्यार्थियों के लिंग का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाएगा। अतः शून्य परिकल्पना "उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिंग का उनके समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाएगा" को स्वीकृत किया जाता है।

H3.उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की क्षेत्र का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

तालिका क्रमांक 1 से यह अवलोकित होता है कि क्षेत्र के लिए F का मान 27.370, df 1/792 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक है अर्थात विद्यार्थियों के आत्म संकल्पना का समस्या समाधान योग्यता पर सार्थक प्रभाव पाया गया अतः शून्य परिकल्पना "उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का आत्म संकल्पना का क्षेत्र पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाएगा" अस्वीकृत होती है ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना का समस्या समाधान योग्यता के मध्यमान अंक में अंतर पाया जाएगा एवं यह ज्ञात करने के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना के मध्यमान को निम्न तालिका 1 (b) में प्रस्तुत किया गया है:–

तालिका क्रमांक 1 (b)

शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियो की आत्म संकल्पना का मध्यमान

क्रमांक	क्षेत्र	मध्यमान	N
1.	शहरी	13.88	573
2.	ग्रामीण	12.15	227

तालिका क्रमांक 1 (b) ज्ञात होता है कि शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना का मध्यमान 13.88 तथा ग्रामीण क्षेत्र वाले विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना 12.15 जो शहरी विद्यार्थियों से निम्न है अर्थात ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में आत्म संकल्पना में अंतर पाया गया।

H4.उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना, लिंग, एवं उनकी अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

तलिका 1 के अवलोकन से यह भी स्पष्ट होता है कि आत्म संकल्पना एवं लिंग के मध्य अंतःक्रिया के लिए F का मान 0.761 df 1/792 है जो किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है अर्थात विद्यार्थियों के आत्म संकल्पना एवं लिंग के मध्य अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। अतः निराकरणीय परिकल्पना "उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना ,लिंग एवं उनकी अंतः क्रिया का उनके समस्या समाधान पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाएगा" को स्वीकृत किया जाता है।

H5 उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना, क्षेत्र एवं उनकी अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

तालिका क्रमांक 1के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि आत्म संकल्पना एवं क्षेत्र के मध्य अंतः क्रिया के लिए F का मान 10.52 जो df 1/792 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक है अर्थात विद्यार्थियों के आत्म संकल्पना एवं क्षेत्र के मध्य अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर सार्थक प्रभाव पाया गया अतः शून्य परिकल्पना "उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्म संकल्पना क्षेत्र एवं उनकी अंतःक्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाएगा" को अस्वीकृत किया जाता है। विद्यार्थियों के आत्म संकल्पना एवं क्षेत्र के मध्य अंतःक्रिया पर समस्या समाधान योग्यता का मध्यमान तालिका क्रमांक 1 (c) में दर्शाया गया है –

तालिका क्रमांक 1 (c)

विद्यार्थियों के आत्म संकल्पना एवं क्षेत्र के मध्य अंतःक्रिया पर समस्या समाधान योग्यता का मध्यमान

क्रमांक	आत्म संकल्पना	क्षेत्र	मध्यमान	N
1.	निम्न आत्म संकल्पना	शहरी	12.9784	324
		ग्रामीण	11.7583	120
2.	उच्च आत्म संकल्पना	शहरी	15.07	249
		ग्रामीण	12.59	107

तालिका क्रमांक 1 (c) से यह स्पष्ट होता है कि शहरी क्षेत्र के निम्न आत्म संकल्पना वाले विद्यार्थियों के समस्या समाधान योग्यता का मध्यमान 12.97 एवं ग्रामीण क्षेत्र के निम्न आत्म संकल्पना वाले विद्यार्थियों की समस्या समाधान योग्यता का मध्यमान 11.75 प्राप्त हुआ। अर्थात निम्न आत्म संकल्पना वाले ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों के समस्या समाधान योग्यता में सार्थक अंतर पाया गया है। विश्लेषण की इसी श्रृंखला में हमें यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ है। कि शहरी क्षेत्र के उच्च आत्म संकल्पना वाले विद्यार्थियों के समस्या समाधान योग्यता का मध्यमान 15.07 तथा ग्रामीण क्षेत्र के उच्च संकल्पना वाले विद्यार्थियों के समस्या समाधान योग्यता का मध्यमान 12.59 प्राप्त हुआ है ,अर्थात उच्च संकल्पना वाले ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की समस्या समाधान योग्यता में सार्थक अंतर पाया गया है।

H6. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की लिंग, क्षेत्र एवं उनकी अंतःक्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है। तालिका 1 (a) के अवलोकन से यह भी स्पष्ट होता है कि लिंग एवं क्षेत्र के मध्य अंतःक्रिया के लिए F का मान . 054, df 1/792 है जो किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है विद्यार्थियों के लिंग एवं क्षेत्र के मध्य अंतःक्रिया का उनके समस्या समाधान योग्यता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना "विद्यार्थियों के लिंग, क्षेत्र एवं उनकी अंतःक्रिया का उनके समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाएगा"को स्वीकृत किया जाता है।

H7 उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना, लिंग, क्षेत्र एवं उनकी अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाएगा।

तालिका 1 के अवलोकन से यह भी स्पष्ट होता है कि आत्म संकल्पना लिंग एवं क्षेत्र के मध्य अंतर क्रिया के लिए F का मान . 458 df 1/792 है जो किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है अर्थात विद्यार्थियों के आत्म संकल्पना, लिंग एवं क्षेत्र के मध्य अंतरूक्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर कोई पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। अतः निराकरण परिकल्पना "उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना का लिंग, क्षेत्र एवं उनकी अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर कोई प्रभाव नहीं पाया जाएगा" को स्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्ष एवं परिणाम

1. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना का समस्या समाधान योग्यता पर सार्थक प्रभाव पाया जाता है।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की लिंग का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।
3. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की क्षेत्र का समस्या समाधान योग्यता पर सार्थक प्रभाव पाया जाता है।
4. .उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना, लिंग, एवं उनकी अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।
5. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना, क्षेत्र एवं उनकी अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर सार्थक प्रभाव पाया जाता है।
6. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की लिंग, क्षेत्र एवं उनकी अंतःक्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।
7. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्म संकल्पना, लिंग, क्षेत्र एवं उनकी अंतः क्रिया का समस्या समाधान योग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

विद्यार्थियों के आत्म संकल्पना का समस्या समाधान पर सार्थक प्रभाव पाया गया। जब विद्यार्थी स्वयं की पहचान करते हैं। तो यह स्पष्ट एवं स्वभाविक है की इस पहचान से उन्हें अपने स्वयं के अभिप्रेरणा और संवेग की सीधी जानकारी प्राप्त होती है अर्थात वह स्वत ही अपनी निर्मलता ओं और कुशलता ओं के बारे में ज्ञान अर्जित कर लेते हैं और जब वह अपनी ऋण आत्मक एवं धनात्मक शक्तियों से परिचित होते हैं तो उनमें आशा आत्मविश्वास एवं इच्छा शक्ति का विकास होता है एवं यह स्वर ज्ञान की प्राप्ति आत्मविश्वास एवं इच्छाशक्ति ही विद्यार्थियों में समस्या समाधान में सहायक सिद्ध होते हैं

सन्दर्भ :–

1. **कपिल, एच. के. (2003)** – समाज मनोविज्ञान की रूपरेखा, दिल्ली, मोतीलाल, बनारसीदास छठा संस्करण
2. **शर्मा, आर. ए. (2005)**– शैक्षिक एवं मानसिक मापन, मेरठ
3. **पाठक, पी .डी. (2013)** – शिक्षा मनोविज्ञान, दयालबाग, आगरा
4. **सिंह, ए .के. (2012)** – संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, द्वितीय संशोधित संस्करण
5. **त्रिपाठी, एल. के. बचन (2012)** मनोविज्ञान अनुसंधान पद्धतियां, आगरा भार्गव बुक हाउस, चतुर्थ संस्करण
6. **श्रीवास्तव, डी. एन. (2009)** सामाजिक मनोविज्ञान, साहित्य प्रकाशन, आगरा
7. **डॉ. एस. एन. शर्मा**, शिक्षा में मनोविज्ञान, एच. पी. भार्गव बुक हाउस

- Ameriks et.al. (2007). A Survey Instrument to Measure Self-Control Problems in a Sample of Highly Educated Adults, *American Economic Review*, Vol.97(3), 966-972.
- Bhat, Mehrj Ahmad (2014). "Effect of Problem Solving Ability on Achievement in Mathematics of High School Students". *Indian Journal of Applied Research*, 4(8), 685-688.
- Bhat, S.A., Yashpal, D,. & Netragaonkar. (2013). Self-concept and academic achievement of adolescent boys and girls in Srinagar. *Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies*, 2, 13, 1843-1848.
- Bhatt, M. A. (2014). Effect of problem solving ability on the achievement in mathematics of high school students. *Indian Journal of Applied Research*, 4(8), 285-288.
- Erozkan (2013). "The effect of Communication Skills and Interpersonal Problem Solving Skill on Social Self-Efficacy." Educational Sciences. *Theory & Practice*, 13(2), 739-745.
- Hooda, Madhuri & Ranidevi (2014) Problem Solving Ability: Significance for Adolescents, Scholarly. *Research Journal for Interdisciplinary Studies*, (II/XIII), 1773-1778. http://www.aiaer.net/ejournal/vol19107/17.html.
- Kumar, V. (2015). Influence of Gender and Academic Achievement on Self Concept Among Secondary School Students. *JJARIIE*, 1(5), 641-648.
- Lawrence, A.S., Arul.,& Vimala, A. (2013). Self-concept and achievement motivation of high school students. *Journal of Education*, 1, 1, 141-146.
- Praveen et al (2010). Effect of the Problem-Solving Approach on Academic Achievement of Students in Mathematics at the Secondary Level. *Contemporary Issues in Education Research*, 3(3), 9-14.
- Saha, S. (2014). Self Concept and Personality Correlates Amongst Homo Sexual: The Indian Perspective. *International Journal of Community Research*, 3 (1), 3-6.
- Sarsani, M. (2007). A Study of the Relationship between Self-Concept and Adjustment of Secondary School Students. *I-Manager's Journal on Educational Psychology*, 1(2).

❑❑❑